Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	SCRIBE INSCRIPT 15th June 2019 Shift 2
Subject Name:	SCRIBE INSCRIPT
Creation Date:	2019-06-15 17:52:42
Duration:	30
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	No
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	755905109
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Mock

Section Id :	755905181
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1

Sub-Section Id: 755905181
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 7559051459 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ समय हुआ था कि उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	755905110
Group Maximum Duration :	20
Group Minimum Duration :	20
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Actual

Section Id :	755905182
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	755905182
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 7559051460 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

सत्य और नितिनिष्ठा द्वारा संसार का नियंत्रण करने वाली ऐसी शक्ति जो व्यक्ति की आकांक्षाओं में विद्यमान रहती है, वही ईश्वर है। दार्शनिकप्लेटो की मान्यता लगभग ऐसी ही थी, उनका कहना था कि ईश्वर अच्छाई का विचार है। संसार के प्रत्येक व्यक्ति, यहां तक की जीव जन्तुओं तक को भी अच्छाई की चाहत रहती है। जहां अच्छाई होती है, वहीं आनंद रहता है। अच्छाई शरीर और सौंदर्य की जो संयम और सदाचारों के द्वारा सुरक्षित हो, अच्छाई और वस्त्रों की जो धोने और स्नान करने से सुरक्षित हो अच्छाई वातावरण की, घर, गांव और नगरों की जो स्वच्छता और सफाई द्वारा सुरक्षित हो। इस संसार में हम सर्वत्र अच्छाई का दर्शन करके प्रसन्नता का अनुभव ही प्रभुत्व और आनंद का स्रोत है। यदि हम ईश्वर को माने तो उसे अच्छाई का वह बीज मानना होगा जो अतिशय दिव्य, मनोरम और बहुत ही प्यारा लगता है। न्यूटन और आइन्स्टीन जैसे विश्वविख्यात वैज्ञानिकों ने सृष्टि के प्रत्येक क्रियाकलाप में उस सर्वव्यापी परम चेतना के अस्तित्व को स्वीकारा है जो समय, स्थान, गति और कारण से परे है। उनके अनुसार सृष्टि की समस्त व्यवस्था सुनियोजित रूप से उस चेतन सत्ता के द्वारा संचालित है जिसका अस्तित्व सिद्ध कर सकना भौतिकी के नियमों और वैज्ञानिक उपकरणों द्वारा संभव नहीं। उसे ज्ञान के रूप में, विचार के रूप में अच्छाईयों के समुच्चय के रूप में ही जाना जा सकता है। विचार दिखाई नहीं देता पर हम हर पल अनुभव करते है। हमारे जीवन की सारी क्रियाशीलता विचारों की ही देन है, विचार मरे की शरीर भी मर गया। मृत्यु के अंतिम क्षण तक विचार प्रक्रिया का बने रहना यह बताता है कि विचार ही विश्वव्यापी चेतना या ईश्वर है। विचार कभी नष्ट नहीं होते। या यों कहें कि भगवान का स्वरूप, गुण और विचारमय ही हो सकता है चाहे वह किसी शक्ति कणों के रूप में हो अथवा प्रकाश रूप में पर विचारों का अस्तित्व संसार में है अवश्य। हम सदैव ही उनसे प्रेरित, प्रभावित होते रहते है। विचारों को कोई भी व्यक्ति अपना नहीं कह सकता। मनोविज्ञानी फ्रायड ने भी अंततः कहा था विचार अवचेतन मन से आते हैं और मनुष्य का उस पर कोई नियंत्रण नहीं, वह कोई स्वतंत्र सत्ता है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक हीगल ने भगवान को सामान्य इच्छाओं से ऊपर उठा हुआ, इच्छाओं को भी नियंत्रण में रखने वाला परम विचार अब्सोल्यूट आइडिया बताया है जिस प्रकार प्रत्यक्ष में देखने से हमारा मस्तिष्क एक प्रकार से विचारों का पुंज है और इसी के किसी कोने से विचारों का प्रवाह निरन्तर चलता रहता है, इसी तरह समूचे विश्व में फैले विचार किसी केन्द्रीभूत सत्ता से प्रस्फुटित हो रहे है। जिस प्रकार सूर्य में संलयन क्रिया होती रहती और प्रकाश तरंगे निःसृत होती रहती हैं उसी प्रकार संसार के किसी भाग से नियमित विचारों की निर्झर झरता रहता है, उस केन्द्रीभूत सत्ता का नाम उन्होंने परमेश्वर बताया।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Inscript

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes